## संख्याः कि /VII-1-09/36-ख(टी.सी.-1)/2007

**ऐनक** 

श्री पीठसीठ शर्मा, प्रमुख सचिव, उत्तराखण्ड शासन।

संसा में

t- समस्य जिलाधिकारी, संस्तराखण्डा

निर्देशक,
भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई,
उद्योग निदेशालय
उत्तनाखण्ड, देहरावृत्।

औद्योगिक विकास सनुभाग-1

देहरायुन : दिनाक दे। जनवरी, 2010

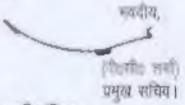
विषयः

खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1967 एवं उसके अधीन प्रस्थापित नियमायितयों में निर्दिष्ट प्रपन्नों के प्रयोग के सम्बन्ध में।

लही दुस

उपरोक्त विषय के संदर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि उत्तराखण्ड राज्य में खिन है परिवर्ग हैंयू जारी किये जाने बाजे समस्य प्रपन्ने पान करनाखण्ड रप्यक्षिज चरित्र निर्मावली 2001 के निदम-70 के अन्तर्गत एक0ए40-11, मासनादेश राख्या 1394/18-12-87-55/67. दिनाळ 31 मार्च 1997 के अनुसार पूर्व्य खिनेज। प्रपन्न "का", विकाराखण्ड खिनेज (अवैध खन्म परिवर्गन एवं मण्डारण का निवरण) निवन्त्रती 2005 के नियम-5(1) के अनुगत प्रपन्न "एन" तथा नियम-5(2) के अनुगत प्रपन्न "पान तथा उपयोग थे अनुगत प्रपन्न मिर्ग को अपने अधिकारिता के जनपदी में नियमानुसार निर्मत किये जाने तथा उपयोग थे प्रारंपण को व्ययस निर्म जाने हेत् खान अधिकारी/राम निरंद्यक मृतान प्रप स्थानाहर्म इकाई उन्तराखण्ड स्था अधिकृत किया प्रारंग है।

क्षण तदनुसन आक्षणक कार्यवाही करने का करा जरे।



पुष्ठाकन संख्या ( 54 (1)/ VII-I-09/38-स(टी सी.-1)/2007, तद्दिनांकित। प्रतिनिधि निम्नलिधित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यक्षित हेतु प्रेषित:-

समस्य मण्डलीयुक्त उत्तराखण्ड।

विश्व साम अधिकारी, मृताच एवं खनिकार्य इकाई, उत्योग निदेशालय, देहतदून।

निवंशक एन०आई०सी०, राधिकालय परिशर देहरायुन।

